[DRAFT]

Dr Kewal Anand Kandpal
Government High School Pudkuni (Kapkote)
Bageshwar, Uttarakhand
Email id: kandpal_kn@rediffmail.com

Abstract

The school head and his team has made extensive efforts to empower girls and encourage them to pursue education beyond secondary grade; holds guidance and counseling sessions for girls and their mothers every Saturday, as a result all girls of the last academic session are pursuing senior secondary education. They conduct continuous dialogue on demerits of child marriage and convince parents to build careers of their girls. The school has created effective teams of teachers for peer learning – teachers teach classes other than their own in absence of a subject teacher and act as a team with a common vision and mission. They prepare annual academic calendar with the clear aim of achieving academic goals, so that teaching-learning processes are based on concrete learning outcomes. The school believes in developing second line leaders – created detailed teacher profiles with assessment of individual strengths and allotted tasks accordingly.

शाला का सन्दर्भ : सामाजिक-आर्थिक सन्दर्भ

उत्तराखण्ड राज्य के जनपद बागेश्वर के कपकोट ब्लॉक में अति दुर्गम क्षेत्र में राजकीय उच्चतर माध्यमिक-विद्यालय अवस्थित है। समुद्र तल से उंचाई पर अवस्थित यह (फीट 5486 लगभग) मीटर 1482 9379.29 विद्यालय° NN तथा 79.9025° EE पर बसा हुआ है। वर्ष में राजकीय उच्च प्राथमिक 1984 में यह विद्यालय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रूप में 2006 विद्यालय की स्थापना हुई। वर्ष बालिकाएं नामांकित 40 बालक एवं 30 शिक्षा विद्यालय है। विद्यालय में-उच्चीकृत हुआ। विद्यालय सह हैं ,वर्ष की आयु के सभी बच्चे विद्यालय में नामंकित हैं 16-11 यह संख्या कम है परन्तु सेवित क्षेत्र के , में मुख्य गाँव पुड्कूनी के अलावा यह विद्यालय के लिए संतोष की बात है। विद्यालय के सेवित क्षेत्र ब ,छिपला ,बडागांव ,धारापानी , स्यांकोट ,पटियार खोला ,बघरखोलाटधार मैतवा आदि ग्राम तोक हैं। वर्ष , (%54.3) 530 जिसमें ,थी 976 की जनगणना के अनुसार विद्यालय के सेवित क्षेत्र की जनसँख्या 2011 महिलायें तथा (%45.7) 446पुरुष थे। सेवित क्षेत्र में %54.2 इस क्षेत्र की साक्षरता दर ,परिवार रहते हैं 243 हैमहिला साक्षरता दर बह ,ुत कम %10.2 है। सेवित क्षेत्र में (%22.7)जनसँख्या अनुसूचित जाति की है और 0.1प्रतिशत जनसँख्या अनुसूचित जन-जाति की है। कुल जनसँख्या का प्रतिशत किसी न किसी 24.9 प्रकार से आर्थिक आजीविका के काम में संलग्न है। सरकारी सेवा में बहुत कम लोग नियोजितहैं।

अधिकाँश लोग निजी क्षेत्र मेंविशेषकर होटल व्यवसाय में कार्यरत हैं। ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे पुरुष दैनिक , भर दैनिक मजदूरी का काम उपलब्ध नहीं हो पाता-को वर्षमजदूरी के काम भी करते हैं परन्तु उन है। विद्यालय के सेवित क्षेत्र की आर्थिकी मुख्य रूप से खेती एवं पशुपालन पर निर्भर है और इस काम में महिलायें मुख्य भूमिका में हैं। कृषि कार्य से वर्ष भर की खाद्यान्न की आपूर्ति संभव नहीं हो पाती है , वे भी ,काँश ग्रामीण रोजगार के लिए ग्रामीण क्षेत्र से बाहर हैं और जो पुरुष गाँव में भी हैंइसलिए अधि मजदूरी करके इस कमी को-दिहाड़ीपूरा करने का प्रयास करते हैं। पशुपालन व्यावसायिक आधार पर नहीं किया जाता। थोडा बहुत घी बेचने का उपक्रम किया जाता है परन्तु यह इतनी सीमित आधार पर किया जाता है कि इससे परिवार की आर्थिकी को बहुत मदद नहीं मिल पाती है। विद्यालय के सेवित क्षेत्र में दो राजकीय प्राथमिक विद्यालय बड़ा गाँव एवं पुड़कूनी में संचालित हैंबच्चे 20 और 23 जिनमें क्रमशः , लय में नामांकित होते हैं। सेवित क्षेत्र में दो से हमारे विद्या 6 नामांकित हैं। यही बच्चे बाद में कक्षा बच्चे नामांकित हैं। इस क्षेत्र 06 और 08 जहाँ क्रमशः ,आगनबाडी केंद्र बडगांव एवं पुड़कूनी में संचालित हैं जिससे यह क्षेत्र पक्की सड़क से जिला एवं ब्लॉक मुख्यालय से ,में पक्की सड़क बनी है 2018 में अक्तूबर

इससे ,दूर है 0किमी 17 जुड़ गया है। बच्चों के आगे अध्ययन के लिए निकटवर्ती इंटरमीडिएट कालेज आगे शि (विशेषकर बालिकाओं को) बच्चों कोक्षा जारी रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र में एक स्वास्थ्य उपकेन्द्र है एक तरह से प्राथमिक उपचार केंद्र के जहाँ पर फार्मासिस्ट बैठते हैं। यह केंद्र , गंभीर बीमारियों के निदान के लिए ग्रामीणों को गाँव से बाहर ही जाना पड़ ,रूप में काम करता हैता है। उत्तराखंड के अन्य पहाड़ी क्षेत्रों में अवस्थित ग्रामों की तरह पलायन इस क्षेत्र में भी एक सामाजिक प्रवृत्ति हैब्लॉक मुख्यालय या अन्य सुविधायुक्त स्थानों में प्रवास ,से सक्षम परिवार जिला मुख्यालय आर्थिक रूप , करने एवं बसने की इच्छा एवं प्रवृत्ति रखतेहैं। ग्रामीणों से बातचीत में यह महत्वपूर्ण बात सामने आयी कि इस क्षेत्र में स्वास्थ्यन होने के संचार एवं शिक्षा की संतोषजनक सुविधा उपलब्ध , कारण ऐसा करने को मजबूर हैं। इस प्रकार से क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों में घटते नामांकन का कारण एवं परिणाम दोनों ही है। पलायन से विद्यालयों में छात्र नामांकन कम होता हैइसका परिणामी प्रभाव यह होता है कि , पुनः नामांकन में कमी आ जाती है। ,ती हैविद्यालयों में अध्यापकों की संख्या कम हो जा

शैक्षिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य :जनपद मुख्यालय से दूर 0किमी 24 तथा ब्लॉक मुख्यालय से 0किमी 29 Ac) विद्यालय के सेवित क्षेत्र में ग्रामीण जन मुख्यतः कुमायूनी बोली को एक विशेष उच्चारणAccent (cent के साथ बातचीत में व्यवहार में लाते हैंभांति समझ लेते हैं परन्तु -वैसे हिंदी भाषा में बातचीत को भली , हिंदी भाषा में बातचीत में सहज अनुभव नहीं करते हैं। स्कूली बच्चे हिंदी भाषा में बातचीत में सहज हैं। सेवित क्षेत्र से स्कूल जाने योग्य उम्र 16-6)आयु वर्ग माध्यमिक कक्षाओं में के सभी बच्चे प्रारम्भिक एवं (में पुनः 8 नामांकित हैं। विगत वर्ष में ड्राप आउट बालिका कुमारी मनीषा को विद्यालय की कक्षा नामांकित करके शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ा गया।)न्यूज़ संलग्नमें 2018 वर्तमान शिक्षा सत्र में अप्रैल (घर संपर्क करके यह सुनिशिचित किया गया कि -घर अभियान के तहत सेवित क्षेत्र में स्कूल चलो नामांकन से छूटने न पाए। (विशेषकर बालिका) विद्यालय जाने योग्य उम्र का कोई भी बच्चाइसमें बहुत हद तक सफलता भी मिली है। वर्तमान में सेवित क्षेत्र के विद्यालय में नामांकन योग्य आयु वर्ग के सभी बच्चे विद्यालय में नामांकित हैंकी 2011 इसे विद्यालय एक उपलब्धि के रूप में देखता है। वर्ष , ,है 141 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 6-0 जनगणना के अनुसारइसमें से (% 49.6) 70बालिकाएं हैं। विद्यालय भविष्य में इन बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में में शामिल करने के लिए संकल्पबद्ध है , आगनवाडी कार्यकर्ती एवं निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय से ,पिता-माता ,इसके लिए अभी से अभिभावकों निरंतर संपर्क में है। विद्यालय केसेवित क्षेत्र की संस्कृति में पितृसत्तात्मक समाज के लक्षण स्पष्ट नज़र आते हैंरिलक्षित भी होता रहता है। बालिकाओं को बहुत बार विद्यालय में बालकों के व्यवहार में यह प , एक विशेष प्रकार से दीक्षित किया जाता है कि वे एक अच्छी पत्नी एवं गृहणी बन सकें और बहुत कम

उम्र में उनकी शादी कर दी जाती है। अमूमन करते इनकी शादी कर दी -वीं पास करते 12 वीं या 10 इस प्रकार से सेवित क्षेत्र के ग्रामीणों में बालिकाओं की जाती है और बहुत बार तो इससे भी पहले भी। साफ़ दिखलायी पड़ती है। अतः-शिक्षा को लेकर सरोकार एवं प्रतिबद्धता की कमी साफ़विद्यालय ने अपने दूरगामी लक्ष्य के रूप में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य यह भी रखा हुआ है कि सेवित क्षेत्र की बालिकाओं को अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुसार शिक्षा को जारी करने के सुअवसर मिलें। इसके लिए बालिकाओं की निरंतर काउन्सलिंग की जाती है और विद्यालय की टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी के तहत मैं स्वयं एवं विज्ञान शिक्षिका सुश्री सुनीता विद्यालय के प्रत्येक कार्यकारी शनिवार को गाइडेंस एवं काउन्सलिंग की एक घंटे की कक्षा लेते हैं। इसके लिए विद्यालय द्वारा एक अन्य उपक्रम भी किया गया है। विद्यालय में नामांकित बालिकाओं ने काउन्सलिंग कक्षाओं की शुरूआती बातचीत में कि उनके मातासके समाधान के लिखायी के बजाय उनकी शादी को लेकर अधिक चिंतित हैं। इ-पिता उनकी पढाई- (संलग्न चित्र) लिए बालिकाओं एवं उनकी मातों को आमने सामने बिठाकर काउन्सलिंग की गयी। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। विगत वर्ष में वीं पास कर चुकी सभी बालिकाएं निकट10वर्ती इंटरमीडिएट कालेज में या फिर जिला मुख्यालय में अध्ययनरत हैं और इस वर्ष में कम उम्र की बालिकाओं की शादी की कोई सूचना भी नहीं है। विद्यालय इस बदलाव को एक सकारात्मक उपलब्धि के रूप में देखता है कि बालिकाओं की आगे की शिक्षा को जारी रखने की राह खुली है।

चुनौतियाँ के समाधान की योजना

मैंने इस विद्यालय में 16 अक्तूबर2017 से काम करना प्रारम्भ किया। बहुत कम समय के अनुभवों को साझा करना मेरे लिए अतिरिक्त संकोच का विषय है। विद्यालय में संस्थाध्यक्ष के रूप में काम करने के शुरूआती दिन से ही मुझे जिन क्षेत्रों में अविलम्ब काम करने की जरूरत महसूस हुई उनको निम्नवत रेखांकित किया जा सकता है:

विद्यालय में कार्यरत शिक्षकोंशिक्षिका को एक प्रभावी टीम के रूप में संगठित करना। अभी तक / अपने विषयों का शिक्षण त-शिक्षिका अपने/विद्यालय में सभी शिक्षको कर रहे थे परन्तु उपरी तौर पर सहयोग)Cooperation(दिखलायी देने के बावजूद समन्वयन की साफ़थी। साफ़ कमी नज़र आ रही- इस विषय की ,उदहारण के लिए विद्यालय में अंग्रेजी विषय के अध्यापक का पद रिक्त होने के कारण कक्षाएं संचालित नहीं हो रही थी। समुदाय आर्थिक रूप सेइतना सशक्त नहीं था कि मानदेय पर किसी शिक्षक की व्यवस्था की जा सके। अतः मुझे तात्कालिक रूप से यह जरूरी लगा कि विद्यालय में

अकादमिक टीम के गठन की जरुरत है। अतः सभी के साथ विचारविमर्श करके विद्यालय के लिए - विज़न एवं मिशन डाक्यूमेंट्स तैयार किया गया। इसका व्यौरा निम्नवत है-

ध्येय वाक्य

उत्तराखंड के सभी सरकारी विद्यालयों के लिए ध्येय वाक्य है" -शिक्षार्थ आइयेइसके "सेवार्थ जाइए ।,

: अतिरिक्त विद्यालय ने अपने लिए ध्येय वाक्य निर्धारित किया है

"विद्यालय इसे सुनिश्चित करेगा ।,प्रत्येक विद्यार्थी सीख सकता है"

"Every Students Can Learn ; School Will Ensure This".

विज़न

विद्यार्थियों में लोकतान्त्रिक नागरिक हेतु उपयुक्त -समुदाय का सर्वोत्कृष्ट शिक्षण अधिगम विद्यालय"

मूल्यों के बीजारोपण हेतु प्रतिबद्ध।"

Excelle **"School of The Community For Teaching Learning Excellence-Inculcating Suitable Values For The Democratic Citizenship."**

मिशन

- विद्यालय के सेवित क्षेत्र के सभी बालक एवं बालिकाओं का विद्यालय में शतप्रतिशत नामांकन - सुनिश्चित करना।
- विद्यार्थियों के अधिगम हेतु उपयुक्त भौतिक एवं अकादमिक वातावरण सुनिश्चित करना ।
- प्रत्येक विद्यार्थी की अधिगम सम्बन्धी जरूरतों को संबोधित करना ।
- विद्यार्थी के अधिगम में विद्यार्थी समुदाय की सहभागिता/शिक्षक एवं अभिभावक ,सुनिश्चित करना ।
- शतप्रतिशत सफलता के साथ गुणवत्तापूर्ण परीक्षाफल ।-

इसका बहुत ही सकारात्मक असर हुआ। विद्यालय में कार्यरत उपनल के माध्यम से नियुक्त संविदा कर्मी प्रयोगशाला सहायक श्री दिनेश सुरकाली जी ने कक्षा में अंग्रेजी विषय पढ़ाने की 10 एवं 9 ,(संयोग से उक्त कर्मी अंग्रेजी विषय में परास्नातक हैं) जिम्मेदारी ले लीअन्य अध्यापकों ने भी निचली कक्षाओं में अंग्रेजी विषय पढ़ाने की जिम्मेदारी ले लीस्वयं मैंने भी निचली एक कक्षा में यह ,

जिम्मेदारी ली। बाद में हिंदी भाषा विषय के अध्यापक के अपने मूल जनपद में स्थानांतरण होने पर इस विषय को भी आपस में बांटकर इस विषय के शिक्षण को बाधित नहीं होने दिया। इस प्रकार से विद्यालय परिवार एक टीम के रूप में एक साझा विज़न एवं मिशन के दृष्टिगत काम करने लगा है , यह बहुत सकारात्मक बात है।

.2 विद्यालय ने शिखा सत्र के लिए वार्षिक गतिविधियों का अकादमिक कैलेंडर तैयार 2019-2018 कियागया तथा बच्चों के अभिभावकों एवं समुदाय से साझा किया है। यद्धपि विद्यालयों के लिए शैक्षिक पंचांग राज्य स्तर पर शैक्षिक पंचांग तैयार किया जाता है और विद्यालयों को उपलब्ध भी कराया जाता है तथापि विद्यालय के विज़न के आलोक में शैक्षिक पंचांग की संगति में वार्षिक गतिविधि कैलेंडर तैयार किया गया और शैक्षिक लक्ष्यों की संप्राप्ति में इससे बहुत मदद मिली।)संलग्न विद्यालय का सत्र इससे विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों को .(का गतिविधि कैलेंडर 2019-2018 उच्च स्तर से प्राप्त आकस्मिक क्रियाविधि के रूप में न करते हुए शैक्षिक लक्ष्यों के क्रम में आयोजित करने में निरंतरता मिली।

.3 हम सभी विद्यालय में एक प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी)Professional Learning Community(के रूप में सूत्रबद्ध हैं चूँकि हमारे विद्यालय का शैक्षिक स्टाफ छोटा है सो हम क्षैतिज रूप से , Horizon)Horizontallyइसमें विद्यालय के अध्यापकों के अलावा छात्र प्रतिनिधि और ,संगठित हैं (समुदाय से भी कुछ प्रतिनिधि जुड़े हुए हैं। विद्यालय में भौतिक एवं मानव संसाधनों की कमी के ने संकल्प लिया है कि (हम इसमें छात्र एवं समुदाय को भी शामिल देखे हैं) बावजूद विद्यालय परिवार इस कमी को आड़े नहीं आने देंगे और उपलब्ध संसाधनों से ही बेहतर करने का प्रयास करेंगे। हमारा यह दृढ मत है कि परिस्थितियां अनुकूल होने तक इंतज़ार नहीं किया जा सकता और इस संकल्प से कुछ हद तक हमें आगे बदने में मदद ही मिली है।

.4 विद्यालय में एक सक्रिय अकादमिक टीम के गठन के लिए बहुत जरुरी था कि अध्यापकों की रुचिदायित्वों का /क्षमता एवं योग्यता के आधार पर विद्यालय सञ्चालन के विभिन्न कार्यकलापों , इससे विद्यालय नेतृत्व के लिए दूसरी पंक्ति तैयार की जा सके तथा भविष्य में ,विभाजन किया जाए संस्थाध्यक्ष की अनुपस्थिति में भी विद्यालय के काम काज में कोई बाधा उत्पन्न न हो। विद्यालय के अध्यापकों में काम काज-दायित्वों का विभाजन निम्न प्रकार से किया गया है/

क्र0 0सं	अध्यापक	जन्मतिथि	विद्यालय में कार्य अनुभव	शिक्षण विषय	शैक्षिक प्रोफाइल	कार्य कलाप की जिम्मेदारी-
01	श्री बलदेव सिंह राणा	04.05.1988	से 27.12.2016 विद्यालय में कार्यरत	सामाजिक विज्ञान	एमराजनीति 0ए0 0एड0बी ,विज्ञान	परीक्षा प्रभारीमतदाता जागरूकता , बैठक आयोजन ,क्लब प्रभारी समिति प्रमुख
02	श्री राजेश पाठक	01.06.1982	से 30.06.2017 विद्यालय में रतकार्य	व्यायाम शिक्षक	बी ,0सी0एस0 बी0एड0पी0	मध्यान्ह भोजन प्रभारीरेड क्रॉस , फर्स्ट ,क्रीड़ा प्रभारी ,क्लब प्रभारी ऐड दल प्रमुख
03	श्री भूपेन्द्र सिंह फर्स्वान	12.06.1988	से 30.06.2017 विद्यालय में कार्यरत	गणित	एम ,गणित 0सी0एस0 ,शिक्षा शास्त्र 0ए0एम 0एड0बी	छात्रवृति प्रभारीछात्र कल्याण , गणित क्लब ,समिति प्रमुख प्रभारी
04	सुश्री सुनीता	15.05.1989	से 01.07.2017 विद्यालय में कार्यरत	विज्ञान	एमजन्तु 0सी0एस0 0एड0बी ,विज्ञान	छात्रवृति प्रभारीछात्र कल्याण , विज्ञान क्लब ,समिति प्रमुख इको क्लब प्रभारी ,प्रभारी
05	श्री दिनेश सिंह सुरकाली	12.07.1992	से 01.04.2014 उपनल के तहत प्रयोगशाला सहायक के रूप्प में संविदा कर्मी	कक्षा 9 में 10 एवं अंग्रेजी शिक्षण	एमराजनीति 0ए0 विज्ञानशिक्षा ,अंग्रेजी , 0एड0बी ,शास्त्र	पुस्तकालय प्रभारी विज्ञान , रीडिंग ऑवर ,प्रयोगशाला सहायक का नियोजन

विद्यालय में युवा अध्यापकों की टीम है जिनकी औसत आयु यह विद्यालय के लक्ष्यों की ,वर्ष है 30 संप्राप्ति के लिए बहुत ही सकारात्मक बात है और और नेतृत्वकी अगली द्वितीय पंक्ति के रूप में विकसित होने के लिए बहुत ही अनुकूल है।

5. विद्यालय के शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत जरूरी था कि विद्यालय के नियोजन में छात्रों एवं समुदाय की सहभागिता हो। छात्रों के सन्दर्भ में यह कदम उठाया गया कि विद्यालय की प्रक्रियाओं में बदलाव के बारे में छात्रों के अभिमत का भी संज्ञान लिया जाएइसका बहुत ही , सकारात्मक असर हुआ। उधाहरण के लिए विद्यालय के गणवेश में बदलाव का विचार हमारे मन में था छात्राओं की अहम् भूमिका रही। -टाई आदि के बारे में अंतिम निर्णय लेने में छात्र ,परन्तु गणवेश का रंग इसीप्रकार से विद्यालय को" नो पौलीथीन जोन)No Polyethylene Zone"(घोषित करने से पूर्व विद्यार्थियों से विचार विमर्श के बाद लागू करने से विद्यालय को इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता मिली और इससे छात्रों में जिम्मेदारी लेने का बहुत ही महत्वपूर्ण मूल्य का बीजारोपण होने का अनुमान किया जा सकता है। समुदाय की सहभागिता के लिए संवादसंवेदनशीलता एवं पारदर्शिता की रणनीति , समुदाय के लोगों की चुनौतियों के प्रति संवेदनशीलता से तथा ,अपनायी गयी। निरंतर संवाद से को पारदर्शिता (यद्धपि ये बहुत ही अल्प मात्र में प्राप्त होते हैं) विद्यालय को उपलब्ध वित्तीय संसाधनों साथ समुदा केय से साझा करने पर विश्वास का वातावरण निर्मित हुआ। उदहारण के लिए-विद्यालय को सौन्दर्यीकरण हेतु निर्धारित रुपए प्राप्त हुए थे और इससे विद्यालय का आंशिक सौन्दर्यीकरण 7000

जरुरी सामग्र रंग रोगन की ,भी संभव नहीं था। संसाधनों की सीमितता का समुदाय ने संज्ञान लियाी विद्यालय परिवार ने जुटायी और श्रम दान समुदाय ने किया। बज़ट के बारे में कोई भ्रम न रहने से समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिशिचित हुई।

प्रविधियो, गतिविधियों एवं अन्य नवाचार के परिणाम

विद्यालय की प्रक्रियाओं में बदलाव की इस संक्षिप्त यात्रा के परिणामों को में एक लम्बी यात्रा के माइल स्टोनपढाव के र/ूप में देखता हूँ। निशिचित रूप से इन छोटे छोटे-माइल स्टोनपढाव पार करने के बाद / हम अपने साझा विज़न के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक दिन अवश्य सफल होंगे। हमारी नज़र हमेशा मंजिल पर है। इस अवधि में विद्यालय के परिणामों में निम्न सकारात्मक बदलाव आये हैं-

प्रधानाचार्य, रा०उ०मा०वि० पुड़कुनी

हिन्दुस्तान • हल्द्वानी • गुरुवार • 09 नवम्बर 2017 • 06

विद्यार्थियों को बताया मतदान का महत्व

बागेश्वर। राउमावि पुड़कुनी में निर्वाचन आयोग के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र और मतदान की जानकारी दी गई। उन्होंने 18 साल पूरे कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए जागरूक किया।

शुभारंभ प्रधानाचार्य डा. केवलानंद कांडपाल ने किया। उन्होंने बच्चों को लोकतंत्र और मतदान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए मतदान करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वोट देकर ही हम अपने पसंद के प्रतिनिधि का चुनाव करते हैं। जो गांव, जिला, राज्य और देश के विकास में योगदान देता है। उन्होंने कहा वोट देने मनुष्य का लोकतांत्रित अधिकार है। इसके लिए 18 साल पूरे करने के बाद मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं भावी वोटर है। उन्होंने मत के सही प्रयोग, चुनाव प्रणाली, मत देने का उद्देश्य और महत्व बताया। कार्यक्रम में कक्षा नौ व दस के बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता भी कराई गई। इस मौके पर डॉ. ज्ञान सागर, बलदेव सिंह, भूपेंद्र फर्स्वाण, राजेश पाठक, सुनीता, दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान • हल्द्वानी • शनिवार • 02 दिसम्बर 2017 • 06

बालिकाएं सफाई पर दें विशेष ध्यान:कांडपाल

बागेश्वर। प्रधानाचार्य डॉ. केवलानंद कांडपाल ने कहा कि बालिकाओं को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। एएनएम जानकी गड़िया ने छात्रों को स्वच्छता के मायने बताए। इस मौके पर राजेश पाठक, भूपेंद्र फर्स्वाण, सुनीता, दिनेश सिंह, कृष्ण सिंह गड़िया, अंजली देवी, लछीमा देवी, खष्टी देवी, नंदी देवी, बीना आदि मौजूद थे। प्रधानाचार्य ने बताया कि अभिप्रेरण शिविर के बाद ड्राप आउट छात्राएं पिंकी ने आठवीं और मनीषा को नवीं कक्षा में प्रवेश दिलाया गया। दोनों बालिकाओं को सम्मानित भी किया।

अमर उजाला • नैनीताल • शनिवार, 2 दिसंबर 2017 • 4

पढ़ाई छोड़ चुकी दो छात्राओं ने लिया प्रवेश

बागेश्वर। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुड़कुनी में शुक्रवार को बालिका अभिप्रेरण शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन प्रधानाचार्य डॉ. केवलानंद कांडपाल ने किया। इस अवसर पर पढ़ाई छोड़ चुकी दो बालिकाओं ने फिर से विद्यालय में प्रवेश लिया।

अभिप्रेरण शिविर की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को एएनएम जानकी गड़िया ने स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की देखभाल से संबंधित जानकारी दी। विद्यालय से ड्राप आउट कक्षा आठवीं और नवीं की दो छात्राओं पिंकी और मनीषा ने पुनः प्रवेश लिया। प्रधानाचार्य डॉ. कांडपाल ने बालिका शिक्षा के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। शिविर में राजेश पाठक, भूपेंद्र फर्स्वाण, सुनीता, दिनेश सिंह, कृष्ण सिंह गड़िया, अंजली देवी, लछिमा देवी, खष्टी देवी, नंदी देवी, बीना, तनुज, योगेश, राकेश सहित बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित थे। ब्यूरो

अभिप्रेरण शिविर में उपस्थित छात्राएं।

- इस वर्ष परिषदीय परीक्षा का परिणाम बहुत अच्छा रहा है। कुल इसमें सफल 22 परीक्षार्थियों में से 23 द्वितीय 08 तथा ,विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में 12 ,(से अधिक अंक %75) विद्यार्थी ससम्मान 04 रहे। ,(%81.4) श्रेणी में उत्तीर्ण रहे। तनोज सिंहकु ,(%79) भावना 0कु पूजा 0एवं कु (%78.6) दीपा 0 अंक प्राप्त करके विद्यालय का सम्मान बढाया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इन सभी (%76) हैं। यह हमारे विद्यालय बच्चे की आगे की पढाई जारी है। सभी बालिकाएं उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत का प्रमुख सरोकार भी है।

- विद्यालय के दो छात्र कुकरिश्मा तडा 0गीका चयन विज्ञान 8 कक्षा ,तथा वीरेन्द्र सिंह 10 कक्षा , में चयन हुआ है। भविष्य में हम इस संख्या में बढोत्तरी के 2018 सम्बन्धी इस्पायर अवार्ड के लिए वर्ष लिए संकल्पबद्ध हैं।

- विद्यालय के बच्चों नने विज्ञान संगोष्टी के तत्वाधान में स्वच्छता विषय पर नाटक प्रस्तुति में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार सपनो की उड़ान कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि तब उल्लेखनीय लगती है जबकि विद्यालय के बच्चों ने पहली बार विद्यालय से बाहर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना शुरू किया है। इससे पहले विद्यालय की ऐसे कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की प्रतिभागिता नहीं होती थी।

- " कार्यक्रम के तत्वाधान में विद्यालय को 'सुन्दर भारत ,स्वच्छ भारत'नो पौलीथीन जोन)No Polyethylene Zone"(घोषित किया है। अब विद्यालय में बच्चे पौलीथीन के उपयोग एवं निष्प्रयोजन के लिए सजग एवं सचेत हैं। इसकी चर्चा अब समुदाय में भी होने लगी हैइस प्रकार से बच्चों में , विद्यालय ,बच्चों में पल्लवित हो रहा है स्वच्छता एवं पर्यावरणीय सुरक्षा का बहुत ही उपयोगी मूल्य का ऐसा विश्वास है।

- विद्यालय में बदलाव की प्रक्रियाओं के बारे में निर्णय लेने में अध्यापकोंअभिभावकों एवं ,छात्रों , समुदाय की सहभागिता बड़ी है। निर्णय लेने की लोकतान्त्रिक प्रक्रियाओं की स्थापना हुई है।

- क्षेत्र के जन प्रतिनिधि क्षेत्र पंचायत सदस्य श्री तारा सिंह बघरी जी के सहयोग से जिला योजना के अंतर्गत विद्यालय में पेय जल की स्थायी व्यवस्था हुई हैरूपये 60000 इसके लिए जिला योजना से , प्राप्त हुए। इससे पहले पेयजल के लिए विद्यालय में पेय जल की समस्या थी। विद्यालय ऊँचाई में अवस्थित होने के कारण मोटर के द्वारा पेयजल विद्यालय की टंकियों में पहुंचाया जाता है।

- विद्यालय की मध्यान्ह योजना के अंतर्गत बनने वाले भोजन के परीक्षण के लिए बारीबारी से प्रत्येक - एक ओर विद्यालय में मौजूद रहती हैं। उनकी मौजूदगी से जहाँ (विशेषकर माता) दिन एक अभिभावक बच्चों में उत्साह बढता है वहीं दूसरी ओर वे विद्यालय की प्रक्रियाओं से भी अवगत रहती हैं। यह उपक्रम विद्यालय एवं समुदाय को निकट लाने में बहुत उपयोगी रहा है।
- दिसंबर 2018 एवं मई 2017में विद्यालय के बच्चों के लिए दो विज्ञान कार्यशालों का आयोजन किया गया। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्र के बच्चों के लिए इस प्रकार एक्सपोज़र के पहले अनुभव थे। आने वाले वर्षों में भी इस अभ्यास को निरंतर रूप से जारी रखने का संकल्प है। इस तरह के आयोजनों के लिए विद्यालय के पास किसी भी प्रकार के बज़ट संसाधन नहीं थेयह सब सम ,ुदाय के सहयोग से संभव हो पाया।
- मतदाता जागरूकता क्लब)Electorate Literacy Club(, रेड क्रॉस जूनियर दल के माध्यम से समुदाय में जन चेतना फैलाने का काम किया जा रहा है। इसका विद्यालय को एक अतिरिक्त लाभ भी मिल रहा है इससे हमें समुदाय से बातचीत करने के अधिक अवसर मिल पा रहे हैं। यह काम दल के विद्यार्थी , हम बच्चों के साथ केवल ,सदस्यों द्वारा किया जाता हैमेंटर के रूप में रहते हैं। बच्चों में बातचीत का कौशल विकसित हो रहा है और उनका आत्मविश्वास पुख्ता हो रहा है।

4 दैनिक जागरण हल्द्वानी, 14 नवंबर 2018

साक्षरता क्लब ने चलाया जागरूकता अभियान

आयोजन

- प्रधानाचार्य ने दी लोकतंत्र में मतदान के महत्व की जानकारी
- 18 साल पूरी कर चुके युवाओं को वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने को किया प्रेरित

जागरण संवाददाता, बागेश्वर : राउमावि पुड़कूनी के छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। विद्यालय के निर्वाचक साक्षरता क्लब ने सेवित क्षेत्र के ग्राम पडियारखोला में लोगों को मतदान के महत्व के बारे में बताया। 18 साल पूरी कर चुके युवाओं को वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानाचार्य डॉ. केएन कांडपाल के नेतृत्व में क्लब के छात्र-छात्राओं ने गांव के प्रत्येक घर में जाकर लोगों से संपर्क किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को मतदान और मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने की जानकारी दी। कई लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुए थे। छात्रों ने उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए फार्म छह की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गांव के कुल 12 लोगों के नाम दर्ज करवाने के लिए सूची भी बनाकर बीएलओ को उपलब्ध कराई गई है। अभियान के दौरान एक जनवरी 2019 को 18 साल पूरी करने वाले युवाओं को अनिवार्य रूप से अपना नाम वोटर लिस्ट में दर्ज करवाने को कहा गया। अन्य ग्रामीणों को आने वाले चुनाव में शत प्रतिशत मतदान करने के लिए भी प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य कांडपाल ने बताया कि निर्वाचक साक्षरता क्लब के अलावा जूनियर रेडक्रास के माध्यम से भी मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर लीला दानू, बबली मेहरा, करिश्मा तड़ागी, खुशबू बफरी, नवोदिता दानू, अशोक दानू सहित व्यायाम शिक्षक राजेश पाठक मौजूद रहे।

बच्चों का संदेश-हर हाल में मतदान क

जागरूकता

बागेश्वर | हमारे संवाददाता

राउमावि पुड़कूनी के छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। विद्यालय के निर्वाचक साक्षरता क्लब ने सेवित क्षेत्र के ग्राम पडियारखोला में लोगों को मतदान के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने 18 साल पूरे कर चुके युवाओं को वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया।

मंगलवार को प्रधानाचार्य डॉ. केएन कांडपाल के नेतृत्व में क्लब के छात्र-छात्राओं ने गांव के प्रत्येक घर में जाकर लोगों से संपर्क किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को मतदान और मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने की जानकारी दी। कई लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुए थे। छात्रों ने उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए फॉर्म छह की जानकारी दी। इस दौरान लीला दानू, बबली मेहरा, करिश्मा तड़ागी, खुशबू बफरी, नवोदिता दानू, अशोक दानू सहित व्यायाम शिक्षक राजेश पाठक मौजूद रहे। इधर स्वीप के नोडल अधिकारी कैलाश प्रकाश ... निर्वाचक साक्षरता क्लब और ... रेडक्रॉस के प्रयासों की सराहना ... उन्होंने अन्य विद्यालयों से भी इस ... के जागरूकता कार्यक्रम कर लो... की मजबूती के लिए लोगों को ... करने को कहा।

बागेश्वर के छात्रों ने मंगलवार को पडियारखोला में मतदाता जागरूकता अभियान च...

हिन्दुस्तान 04

हल्द्वानी • बुधवार • 14 नवंबर 2018

- इसके अलावा सुझाव ,विद्यालय की गतिविधियों में लैंगिक भेदभाव न करना ,प्रश्न मंच ,शिकायत पेटी/ इससे बच्चों ,छोटी पहल की गयी हैं-रीडिंग ऑवर जैसी छोटीका विद्यालयी प्रक्रियाओं में सह-भाग बढ़ा है। विद्यालय के प्रति अपनत्व)Ownership(का भाव बच्चों में सहज ही महसूस किया जा सकता है।
- विद्यालय के सेवित क्षेत्र के बच्चे यह ,अपनी आगे की पढाई को जारी रखे हुए हैं (विशेषकर बालिकाएं) बहुत ही आश्वस्ति कारक बात है। इससेअनुमान किया जा सकता है की समुदाय बच्चों की विशेषकर) शिक्षा के प्रति सरोकार रखने लगा है। (बालिकाओं की

भविष्यकालीन योजनाएँ

आगामी भविष्य में विद्यालय निम्न सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता हेतु संकल्प बद्ध है-

- बच्चों ,शिक्षा जारी रहे (विशेषकर बालिकाओं की)
- बच्चों को विद्यालय में सीखने के प्रचुर अवसर मिलें ,
- विद्यालय में प्रत्येक बच्चा सीख सकता है और उसे सीखना ही चाहिए,यह सुनिशिचित करना ,
- समुदाय में विद्यालय के प्रति अपनत्व)Ownership(की भावना पल्लवित करना एवं मजबूत बनाना,
- बच्चों में समानताव्यक ,स्वतंत्रता ,ृति की गरिमा एवं किसी भी प्रकार के भेदभाव का अभाव जैसे बहुमूल्य लोकतान्त्रिक मूल्यों का बीजारोपण करना,
- क्षेत्र के श्रेष्ठ विद्यालय के रूप में विद्यालय की पहचान सुनिशिचित करना।

स्वयं की स्कूल लीडर के रूप में भूमिका

मैंने विद्यालय में इस अल् ,से काम करना प्रारम्भ किया है 2017 अगस्त 17प अवधि में विद्यालय की टीम लीडर के रूप में अपनी भूमिका को अभिव्यक्त करना मेरे लिए स्वाभाविक संकोच का कारण हैफिर , भी में अपनी खामियों और थोड़ी बहुत क्षमताओं के साथ एक टीम के कप्तान के रूप में स्वयं को देखता जिसके पास विद्यालय के उर्जावान अध्यापकों की क ,हूँ्षमताओं को विद्यालय के शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के अवसर हैं। इस अल्प अवधि में भी मेरा यह विश्वास मजबूत हुआ है कि लोकतान्त्रिक नेतृत्व के माध्यम से विद्यालयी प्रक्रियाओं में बदलाव संभव है। मैं स्वयं को एक टीम के हिस्से के रूप में देखता हूँटीम की स ,फलता टीम के प्रत्येक सदस्य की सहभागिता पर निर्भर करती है। क्षमताचि एवं रु , परिस्थिति के अनुसार नेतृत्व के अवसर टीम के हरेक सदस्य के लिए उपलब्ध कराये जाने चाहिए जिससे विद्यालय को नेतृत्व देने के लिए दूसरी पंक्ति तैयार होती रहे।